बाइबल—परमेश्वर की दी हुई किताब (भाग 1)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? किताब के अध्याय 2 पर आधारित। यह किताब jw.org. पर उपलब्ध है।

मकसद: खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

क्या बाइबल सचमुच परमेश्वर की दी हुई किताब है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्यों "नहीं" कहेंगे?.....

.....

कुछ लोग शायद क्यों "हाँ" कहेंगे?.....

.....

आप क्या मानते हैं?.....

.....

आप ऐसा क्यों मानते हैं? .....

.....

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

बाइबल को इंसानों ने लिखा था, मगर उन्होंने परमेश्वर के विचार दर्ज़ किए थे।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 2 के पैराग्राफ 1-5 देखें।)

2 तीमुथियुस 3:16 और 2 पतरस 1:21 पढ़िए।

इस बात का क्या मतलब है कि बाइबल के लेखक "परमेश्वर की तरफ से बोलते थे"?

.....

.....

.....

आप कौन-सी मिसाल देकर समझाएँगे कि बाइबल के लेखकों ने यहोवा के विचार लिखे थे, न कि अपने?

.....

.....

.....

एक सेक्रेट्री शायद कोई चिट्ठी टाइप करे, मगर उसमें दिया संदेश उसी व्यक्ति का होता है जिसने उससे लिखवाया था। उसी तरह, बाइबल भले ही इंसानों ने लिखी थी, मगर उसमें दी गयी बातें परमेश्वर की हैं

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

बाइबल में जो लिखा है वह विज्ञान और इतिहास के हिसाब से सही है।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 2 के पैराग्राफ 6-9 देखें।)

अय्यूब 26:7 और यशायाह 40:22 पढ़िए।

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि इंसान ने जो जानकारी हासिल की है वह बाइबल में बहुत पहले से लिखी गयी थी?

.....

.....

.....

गिनती 20:2-12 पढ़िए।

क्या आपको लगता है कि मूसा के लिए बाइबल में अपनी गलतियाँ लिखना आसान रहा होगा? अगर हाँ तो क्यों, अगर नहीं तो क्यों?

.....

.....

.....

बाइबल के सच होने के बारे में जितने सबूत हैं उनमें से कौन-सा सबूत ***आपको*** बहुत अच्छा लगता है?

.....

.....

.....

यह जानकर आपको कैसा लगता है कि यहोवा ने हमें इतना अनमोल तोहफा यानी अपना वचन बाइबल दिया है?

.....

.....

.....

.....

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

बाइबल इंसानों ने लिखी थी।

आप उससे कह सकते हैं . . .

आपने जो कहा वह सच है। करीब 40 लोगों ने बाइबल लिखी थी। मगर मैं मानता हूँ कि उन्होंने बाइबल में अपनी बातें नहीं बल्कि परमेश्वर की बतायी बातें लिखीं क्योंकि. . .

.....

.....

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

.....

आपको वह आयत क्यों अच्छी लगती है?

.....

अगर कोई कहे . . .

बाइबल बहुत पुराने ज़माने में लिखी गयी थी इसलिए उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

आप उससे कह सकते हैं . . .

बहुत-से लोग ऐसा ही मानते हैं। मगर मैं यह नहीं मानता क्योंकि. . .

.....

.....

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

.....

आपको वह आयत क्यों अच्छी लगती है?

.....

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania